rojgar with ankit

RPF रेल रक्षक बैच

History

Class - 26

पुष्यभूति वंश / वर्धन वंश

हर्षवर्धन ⇒

चीनी यात्री ⇒ हेनसांग

यात्रा विवरण ⇒ Book ⇒ सी॰ यू॰ की

हेनसांग की Book में

- व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र कन्नौज
- दक्षिण में व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र → कांची
- हर्ष की सेना चतुरंगिणी
- हर्ष का नाम- शिलादित्य

⇒ हेनसांग की जीवनी ⇒ ह्वेली ने लिखी।

⇒ हर्ष की सेना में अरब सेना का सेनापति ⇒ कुतंल

⇒ हर्षवर्धन के कार्य (Junction of Harsh)

(1) प्रयाग (2) कन्नौज

[2] कुंभ मेलों की शुरुआत

(1) अर्द्धकुंभ ⇒ 6 वर्ष

(2) कुंभ ⇒ 12 वर्ष

(1) प्रयागराज ⇒ संगम

(2) हरिद्वार ⇒ गंगा

(3) नासिक ⇒ गोदावरी

(4) उज्जैन ⇒ क्षिप्रा

हर्ष के पुत्र (Son)

(1) वाग्यवर्धन (2) कल्याणवर्धन

दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश

पल्लव वंश [Dynasty] / कांची के पल्लव

- संस्थापक (Founder) ⇒ सिंह विष्णु (575 AD - 600 AD)
- राजधानी (Capital) ⇒ कांची
- उपाधि (Title) ⇒ अवनि सिंह [Avni Singh]
- वैष्णव धर्म का अनुयायी (Follower of Vaishnav Religion)
- पल्लव वंश का प्रतीक चिन्ह ⇒ सिंह (शेर/Lion) [Symboly Pallava's Dynasty]

⇒ सिंह विष्णु ने मामल्लपुरम में आदि वराह मंदिर का निर्माण करवाया

⇒ किरातार्जुनीयम (Book) के लेखक भारवि (writer) सिंह विष्णु के दरबार में रहते थे।

⇒ पल्लवों ने संस्कृत भाषा (Sanskrit language) को राजकीय संरक्षण दिया।

[2] महेन्द्र वर्मन प्रथम (600 - 630 AD)

Imp.

- "मतविलास प्रहसन" नामक हास्य की रचना महेन्द्र वर्मन I ने की थी।
- संगीत गुरु ⇒ रुद्राचार्य

⇒ महेन्द्र वर्मन प्रथम को चालुक्य वंश के राजा पुलकेशिन II ने परास्त / हरा दिया

⇒ उपाधि (Title) ⇒ मत्तविलास
⇒ विचित्रचित्त
⇒ गुणभर, चैत्यकारी
⇒ अवनिभाजन

[3] नरसिंह वर्मन प्रथम (630 AD - 668 AD)

→ अपने वंश का सबसे शक्तिशाली राजा (Most Powerfull king)
→ 642 ई० / AD में वातापी / बादामी पर अधिकार करके पुलकेशिन II nd को युद्ध में पराजित करके मार डाला तथा वातापीकोण्डा की उपाधि धारण की

⇒ चीनी यात्री हेनसांग इसी के शासनकाल में कांची आया
⇒ हेनसांग ने पल्लव प्रदेशों को रत्नों का आकार कहा।

⇒ नरसिंह वर्मन प्रथम

→ महाबलिपुरम में एकाश्म रथ मंदिर का निर्माण करवाया / रथ मंदिरों की संख्या = 7
⇒ सबसे छोटा रथ मंदिर द्रौपदी रथ मंदिर है।
→ इन्होंने महामल्ल की उपाधि धारण की

[4.] महेन्द्र वर्मन II [668 - 670 AD]

→ पल्लव - चालुक्य संघर्ष (युद्ध) में महेन्द्रवर्मन IInd के पुत्र विक्रमादित्य प्रथम ने युद्ध में मार डाला।

5.] परमेश्वर वर्मन [670 AD - 695 AD]

→ गणेश मंदिर का निर्माण (मामल्लपुर)

→ उपाधि ⇒ विद्याविनित ⇒ विद्या प्रेमी था।

⇒ पल्लव महेश्वर

[6] नरसिंह वर्मन II [695 - 720 AD]

1.) इनका काल शान्ति व व्यवस्था का काल था।

2.) दशकुमारचरित

अवन्ति सुन्दरी कथा तथा काव्यदर्श के रचियता' दण्डिन' इन्हीं की राज्यसभा में रहते थे।

उपाधि ⇒ राजासिंह (राजाओं में सिंह)

⇒ आगमप्रिय ⇒ (शास्त्रों का प्रेमी)

⇒ शंकरभक्त (शिव का उपासक)

⇒ काची के कैलाश मंदिर निर्माण करवाया जिसे राजा राजसिंहेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है

⇒ इसी मंदिर के निर्माण से "द्रविड़ शैली" (द्रविड़ स्थापत्य कला) की शुरुआत हुई।

⇒ महाबलिपुरम में 'शोर मंदिर" का निर्माण इन्हीं ने करवाया

⇒ नरसिंह वर्मन ने एक दूत मंडल चीन भेजा था

⇒ परमेश्वरवर्मन II [720 - 730 AD]

⇒ नंदिवर्मन II [730 AD - 795 AD]

- कैलासनाथ तथा बैकुण्ठ - पेरुमाल मंदिर का निर्माण करवाया (विष्णु भगवान को समर्पित)

अंतिम शासक ⇒ कम्प वर्मा था।